>

Title: Need to provide financial assistance and undertake relief measures to rehabilitate people in Uttarakhand distressed due to recent floods and landslides in the State.

श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह (टिहरी गढ़वाल) : मैं केन्द्र सरकार का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र टिहरी गढ़वाल के उत्तरकाशी, चमोली तथा रूद्रप्रयाग जिलों में आई प्राकृतिक आपदा की ओर दिलाना चाहती हूं। केदारनाथ घाटी में आई भयंकर आपदा में हजारों तीर्थयात्री तथा गांव वाले मारे गए। हजारों लोगों के घर, दुकानें, धर्मशालाएं, गेस्ट हाउस और आश्रम जलप्रलय में बर्बाद हो गए। विभिन्न स्थानों पर फंसे हुए श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बचा लिया गया है। लेकिन एक खौफनाक सच अब भी त्रासदी की चादर में लिपटा हुआ है। विशेषकर गढ़वाल इलाके उत्तरकाशी, रूद्रप्रयाग और चमोली जिलों में करीब 250 से ज्यादा गांवों के लोगों का बुरा हाल है। यहां औसतन हर गांव में 300 से 400 तक लोग रहते हैं। इन लोगों के सिर पर अब न छत है न ही सपाट जमीन। जिस जमीन पर गांव वाले खड़े हैं उस जमीन पर दो जून का अनाज भी नहीं बचा है। जिससे इनका पेट भर सके। इन तीन जिलों के लगभग पचास हजार लोगों के सामने रोजी रोटी का संकट है। गांव तबाह हो गए। यहां जिंदगी दो जून की रोटी के लिए तरस रही है। खेती की जमीन जो बची हुई है वहां गाद भर चुकी है, खेती नहीं हो सकती है। पर्यटन से होने वाली कमाई रास्तों के टूटने से ठप्प हो गई। प्राकृतिक त्रासदी से तीन जिलों की खेती के लायक करीब सौ स्क्वायर किलोमीटर जमीन तो पूरी तरह खत्म हो गई है। करीब दस हजार परिवार जो पूरी तरह पर्यटन पर निर्भर थे तथा चार धाम यात्रा के दौरान साल भर की कमाई दो तीन महीनों में करते थे, वह बंद हो चुकी है। घर परिवार को प्रलय ने लील लिया है। इसलिए मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि आपदाग्रस्त गांव वालों को आर्थिक राहत तथा गांवों के पुनर्वास और घरों के निर्माण के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। साथ ही, आपदा–ग्रस्त क्षेत्रों में बैंक कर्ज माफ किया जाए।